तापमान
अधिकतम 28.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि वनांचल भूमि

रायपुर, शनिवार 18 जुलाई 2026

10 दुर्गम जाटलूर में विकास की नई राह, आईटीबीपी...

10 मलखंभः देवगांव पोर्टा केबिन विद्यालय...

सात जिलों में 6 महीने में मिले मलेरिया के 8426 मरीज, बढ़ी चिंता

बस्तर संभाग में बारिश के साथ बढ़ी पीड़ितों की संख्या, 6 लाख से अधिक लोगों की हुई मलेरिया की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बारिश का मौसम शुरू होते ही बस्तर में मलेरिया का खतरा एक बार फिर गहराने लगा है। स्वास्थ्य विभाग लगातार जागरूकता अभियान और सर्वे चलाने का दावा कर रहा है, लेकिन जनवरी से जून तक के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि बस्तर संभाग के सातों जिलों में संक्रमण अभी भी पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आया है।

सातों जिलों में 36 लाख 9 हजार 175 की जनसंख्या में सें 6 लाख 63 हजार 015 लोगों की मलेरिया की जांच की, जिसमें से 6 महीने में 8426 लोग मरीज मिले हैं। संक्रमण का सबसे ज्यादा असर बीजापुर में 3173, दंतेवाड़ा में 1344, सुकमा में 1686, नारायणपुर में 896, बस्तर में 809, कोंडागांव में 329 और कांकेर में 189 मरीजों के रूप में सामने आया है। संभाग में 6 माह में अब तक मलेरिया से मौत नहीं हुआ।

बताया जा रहा है कि मानसून का पूरा सीजन अभी बाकी है और यदि रोकथाम के प्रयास प्रभावी नहीं रहे तो आने वाले महीनों में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। जांच के दौरान लोगों को बताया जा रहा है कि घरों और आसपास पानी इकट्ठा न होने दें, सोते समय हमेशा मच्छरदानी का प्रयोग करें, बुखार, ठंड लगने या सिरदर्द होने पर बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या मितानिन से संपर्क करें।

मच्छरदानियां वितरित की जा रही

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बारिश की शुरूआत के साथ ही नमी और जलजमाव के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ा है, जिससे मलेरिया का खतरा गंभीर हो गया है। स्वास्थ्य विभाग ने दूरदराज के क्षेत्रों में विशेष सतर्कता अभियान शुरू कर दिए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में मरीजों का तुरंत इलाज करने के साथ ही दवा-युक्त मच्छरदानियां वितरित की जा रही हैं। बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्कूलों, आश्रमों और छात्रावासों में विशेष जांच दल तैनात किए गए हैं।

खतरा अभी टला नहीं

स्वास्थ्य विभाग बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया ने बताया कि सातों जिलों के सीएमएचओ को निर्देश दिया कि लगातार मिल रहे नए मरीज यह संकेत दे रहे हैं कि खतरा अभी टला नहीं है। लोगों से मच्छरदानी का नियमित उपयोग करने, घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देने और बुखार आने पर तुरंत मलेरिया जांच कराने की अपील करें।

खबर संक्षेप

आंबा सहायिका, कार्यकर्ता भर्ती ऑनलाइन आवेदन 3 अगस्त तक

जगदलपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना दरभा अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र छिन्दगुर-2 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा दरभा-1 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अभ्यर्थी 20 जुलाई से 3 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आईटीआई में प्रवेश के लिए खुला ऑनलाइन पोर्टल

जगदलपुर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जगदलपुर में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल खोल दिया गया है। प्राचार्य से मिली जानकारी के अनुसार आवेदक 24 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 25 जुलाई को एनआईसी द्वारा मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी। इसके बाद चतुर्थ चरण की चयन सूची के आधार पर 26 जुलाई से 30 जुलाई तक संस्थाओं में प्रवेश लिया जाएगा।

राम मंदिर पर सवाल उठाने का कांग्रेस को नैतिक अधिकार नहीं

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी जगदलपुर पूर्वी मंडल के उपाध्यक्ष राकेश तिवारी ने कांग्रेस के पूर्व मंत्री मोहन मरकाम द्वारा अयोध्या श्रीराम मंदिर में कथित चंदा चोरी के मामले को लेकर भाजपा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर लगाए गए आरोपों को निराधार, भ्रामक एवं राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को श्रीराम मंदिर के विषय में बोलने अथवा सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान लगातार भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े किए और श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध किया। आज वही कांग्रेस राम मंदिर की गरिमा और करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

विद्यार्थियों को कापी-पेन पेंसिल किट का वितरण

जगदलपुर। ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की अलख जगाने तथा नन्हे विद्यार्थियों को विद्यालय से जोड़कर नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ेमुरमा के व्याख्याता मनीष कुमार अहीर द्वारा एक प्रेरणादायी पहल करते हुए प्राथमिक विद्यालय बड़ेमुरमा के कक्षा पहली के विद्यार्थियों को कापी, पेन, पेंसिल एवं अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री से युक्त शैक्षणिक किट का वितरण किया गया। अध्ययन सामग्री प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास साफ दिखाई दे रहा था। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शैक्षणिक सामग्री वितरित करना नहीं, बल्कि बच्चों के मन में शिक्षा के प्रति रुचि, नियमित विद्यालय आने की आदत तथा बेहतर भविष्य के निर्माण का संकल्प विकसित करना था। व्याख्याता श्री अहीर ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा प्रत्येक बच्चे के जीवन की मजबूत नींव होती है। यदि बच्चों को शुरूआत से ही उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो वे भविष्य में बेहतर नागरिक बन सकते हैं। इस अवसर पर कांता प्रसाद वैद्य, पुनीत राम फरदिया, सुधीर ध्रुव सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ग्राम प्रमुखों ने ईसाई कब्रिस्तान नहीं होने से शव दफनाने का किया विरोध

उलनार में वृद्ध महिला के शव दफन को लेकर दो पक्षों में विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नगरनार थाना क्षेत्र के उलनार में बीती रात वृद्ध महिला की मौत के बाद शुक्रवार सुबह शव दफनाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस व प्रशासन की टीम ने दोनों पक्षों को समझाइश दी जिसके बाद विवाद समाप्त हुआ। उलनार की बजाए करकापाल कब्रिस्तान में शव दफन किया गया।

- पुलिस व प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद शव करकापाल कब्रिस्तान में दफन

जानकारी के मुताबिक उलनार निवासी लखमी कश्यप 72 वर्ष का बीती रात एमपीएम अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार को पार्थिव शरीर को दफनाने की तैयारी की जा रही थी। इस पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जिनके परिजनों का पूर्व में हिंदू धर्म से ईसाई समुदाय में धर्मांतरण हुआ है। उनका गांव में दफन करना स्थानीय परंपरा के विरुद्ध है। खबर लगते ही नगरनार टीआई टीम के साथ पहुंचे। इसकी जानकारी तहसीलदार बकावण्ड को दी गई लेकिन तहसीलदार की बजाए नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाइश दी गई।

पति के शव को उलनार में किया गया था दफन

कुछ समय पूर्व मृतिका लखमी कश्यप के पति सदन कश्यप का निधन हुआ था। शव को गांव में ही दफनाया गया था। लेकिन गांव में इसाई कब्रिस्तान नहीं होने से ग्रामीणों ने इसका विरोध किया जिसके बाद दोनों पक्षों को समझाइश के बाद शव करकापाल में दफन करने सहमति बनी।

संतोष सिंह
टीआई थाना नगरनार

हिंदू संगठन के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे

इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल, जिला बस्तर के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। जिला मंत्री नवीन देवांगन, विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप, जिला संयोजक विष्णु ठाकुर और सरपंच मधुसूदन नेताम की उपस्थिति में पुलिस प्रशासन ने दोनों पक्षों से चर्चा की।

आपसी सहमति से लिया निर्णय

प्रशासन ने दोनों पक्षों को समझाइश देते हुए शांति और सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की। आपसी सहमति के बाद निर्णय लिया गया कि शव को गांव में नहीं दफनाकर ईसाई कब्रिस्तान करकापाल में ले जाकर अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में शव को करकापाल भेज दिया गया जहां अंतिम संस्कार किया गया।

ज्ञानगुड़ी के 47 बच्चों ने नीट पास कर रचा कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर के वनांचल और कभी नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों के ग्रामीण परिवेश से आने वाले होनहार बच्चों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो वे देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं में भी शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं। कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के अधीन संचालित निःशुल्क कोचिंग संस्थान ज्ञानगुड़ी के विद्यार्थियों ने नीट में सफलता हासिल करते हुए पूरे अंचल को गौरवान्वित किया है। इस वर्ष कुल 90 बच्चों ने संस्थान में नियमित रहकर कोचिंग ली थी, जिनमें से बेहतरीन सफलता दर दर्ज करते हुए 47 बच्चों ने एक साथ नीट परीक्षा क्वालीफाई कर शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

- शिक्षा के क्षेत्र में बस्तर की ऐतिहासिक उड़ान

नर्सिंग और अग्निवीर परीक्षा में भी बस्तर का दबदबा

नीट परीक्षा में सफलता दर्ज करने के साथ-साथ ज्ञानगुड़ी के बच्चों ने अन्य व्यावसायिक व रक्षा सेवाओं की परीक्षाओं में भी सफलता हासिल किया है। राज्य स्तरीय नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में यहां की प्रतिभावान छात्रा प्रेरणा ने पूरे छत्तीसगढ़ में 60वां रैंक हासिल कर अपनी मेधा का परिचय दिया है। इसके साथ ही देश सेवा का जज्बा रखने वाले ज्ञानगुड़ी के 22 जांबाज युवाओं ने देश की प्रतिष्ठित अग्निवीर परीक्षा को भी सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया है, जो इस संस्थान की बहुमुखी शिक्षण गुणवत्ता को दर्शाता है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जब ज्ञानगुड़ी ने बस्तर का मान बढ़ाया हो। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बीच रहने वाले इन आदिवासी अंचल के बच्चों की यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा बन गई है।

तीन माह में नगर निगम ने वसूला 1.30 करोड़ जलकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नगर निगम ने जलकर बकायेदारों के विरुद्ध विशेष वसूली अभियान चलाया। पिछले तीन माह में निगम के पीएचई विभाग ने जलकर के रूप में 1 करोड़ 30 लाख रुपये की वसूली की है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन उपभोक्ताओं ने अब तक जलकर जमा नहीं किया है, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान के तहत अब तक 138 अवैध नल कनेक्शनों को काटकर हटाया गया है। वहीं लंबे समय से जलकर का भुगतान नहीं करने वाले 214 बकायेदार उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन विच्छेदित किए जा चुके हैं। इसके अलावा 25 बकायेदारों को नोटिस जारी कर नियमानुसार बकाया राशि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

- 214 बकायेदारों के कनेक्शन काटे, 138 अवैध नल कनेक्शन हटाए
- कर नहीं चुकाया तो कटेगा नल कनेक्शन, होगी कुर्की की कार्रवाई

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बकाया जलकर जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध नल कनेक्शन काटने के साथ-साथ नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के तहत कुर्की एवं अन्य वैधानिक वसूली की कार्रवाई भी की जाएगी। ऐसी स्थिति में संबंधित उपभोक्ताओं को अतिरिक्त शुल्क, कार्रवाई का खर्च तथा अन्य कानूनी दायित्व भी वहन करने होंगे। निगम अधिकारियों ने बताया कि जलकर से प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग शहर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के संचालन, पाइपलाइन के रखरखाव, नई जलापूर्ति योजनाओं के क्रियान्वयन तथा नागरिक सुविधाओं के विकास में किया जाता है। इसलिए समय पर जलकर जमा करना प्रत्येक उपभोक्ता का दायित्व है।

टैक्स पटाकर कार्रवाई से बचने की अपील

नगर निगम ने जल उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए अपना बकाया जलकर शीघ्र जमा करें। निगम का विशेष वसूली अभियान आगामी दिनों में और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेगा तथा बकायेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रय पर कार्रवाई

फेरी वाहन से प्लास्टिक सामग्री हुई जब्त, 10 हजार का जुर्माना

जगदलपुर। नगर निगम ने शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के अभियान के तहत प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए संजय मार्केट क्षेत्र में फेरी वाहन से भारी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की। कार्रवाई के दौरान विक्रेता पर 10 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया। नगर निगम की टीम ने संजय मार्केट में निरीक्षण के दौरान फेरी वाहन से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री का विक्रय करते हुए महांगी लाल जैन को ▶▶|शेष पेज 10 पर

प्रतिबंधित सामानों के विक्रय पर होगी कार्रवाई

नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के निर्माण, भंडारण, परिवहन, विक्रय और उपयोग के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति या प्रतिष्ठान के विरुद्ध बिना किसी पूर्व सूचना के नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर टूटा, सवार दो की मौत, तीन गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

कोड़ेनार थाना क्षेत्र के रायकोट मुख्य मार्ग में शुक्रवार शाम कोड़ेनार से जगदलपुर की ओर आ रहा तेज रफ्तार ट्रक व तोकापाल से रायकोट की ओर जा रही ट्रैक्टर के बीच सीधी टक्कर हो गई। हादसे में ट्रैक्टर सवार जयसिंह पोयाम और आयातु कवासी की मौत हो गई। वहीं पोडिया पोयाम, पीलुराम मंडावी सहित अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कोड़ेनार पुलिस द्वारा घायलों को उपचार के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक वाहनों के तेज रफ्तार का पता इसी बात से लगता है कि भारी भरकम ट्रैक्टर के दो टुकड़े हो गए। इस हादसे में दो ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई वहीं ट्रैक्टर सवार अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही कोड़ेनार थाना प्रभारी विजय पटेल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को डिमरापाल मेडिकल कॉलेज रवाना किया गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक ट्रैक्टर चालक व सवार पखनार गांव के निवासी है जो किसी काम से तोकापाल आए हुए थे। काम के बाद वापस पखनार के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जहां एक ओर ट्रैक्टर के दो टुकड़े हो गए वहीं दूसरी ओर ट्रक सड़क से उतरकर खेत में जा ▶▶|शेष पेज 10 पर

- ट्रैक्टर के हुए दो टुकड़े, ट्रक खेत में उतरा, चालक फरार

मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से क्षेत्र में बीमारी फैलने की आशंका

ऐतिहासिक गंगा मुंडा तालाब गंदगी व जलकुंभी से पटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर की ऐतिहासिक धरोहर और शहर की पहचान माना जाने वाला गंगा मुंडा तालाब आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। रख-रखाव के अभाव, प्रशासनिक अनदेखी और लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के कारण इस ऐतिहासिक जलस्रोत का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। पूरे तालाब में जलकुंभी का जाल बिछ चुका है और पानी पूरी तरह से दूषित है। स्थानीय निवासी संतोष यादव ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तालाब का पानी कभी पीने और निस्तारी के काम आता था, वह अब पूरी तरह सड़ चुका है। तालाब के चारों ओर कचरे के ढेर लगे हैं

- पानी दूषित होने से नहीं आ पा रहा उपयोग में

और नालियों का गंदा पानी सीधे इसमें मिल रहा है। स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि स्थानीय लोग अब इसे व्यंग्य में 'गंगा मुंडा' की जगह 'गंदा मुंडा' कहने लगे हैं। गंदगी के कारण आसपास के क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और महामारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। प्रशासन और जनप्रतिनिधि तालाब के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के बड़े-बड़े दावे करते हैं। हाल ही में निरीक्षण और घोषणाएं भी हुईं लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। जलकुंभी को हटाने के लिए किए जाने वाले प्रयास सिर्फ रस्म अदायगी तक सीमित रह गए हैं। जिसके कारण कुछ ही दिनों में तालाब फिर से हरा हो जाता है।

सफाई कराई जाए, संरक्षण नियम हो लागू

स्थानीय निवासी राधेश्याम ने कहा कि तालाब से जलकुंभी को युद्ध स्तर पर साफ किया जाए। ऐतिहासिक धरोहर को बचाने के लिए कड़े संरक्षण नियम लागू किए जाएं। यदि समय रहते इस ऐतिहासिक तालाब को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो बस्तर की यह अनमोल धरोहर इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएगी।

दुर्गम जाटलूर में विकास की नई राह, आईटीबीपी ने बनाया 250 फीट लंबा सस्पेंशन ब्रिज

बरसात में आवागमन की वर्षों पुरानी समस्या हुई दूर, ग्रामीणों और विद्यार्थियों को मिलेगा सीधा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणपुर

पूर्व में नक्सल प्रभावित एवं दुर्गम क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय नागरिकों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने की दिशा में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की 38वीं वाहिनी ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जाटलूर नाला पर निर्मित 250 फीट लंबे लकड़ी के फुट सस्पेंशन ब्रिज का लोकार्पण केंद्रीय सीमांत मुख्यालय के महानिरीक्षक अजय पाल सिंह ने किया। यह पुल क्षेत्र के ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं सुरक्षा बलों के लिए वर्षभर सुरक्षित और सुगम आवागमन का माध्यम बनेगा। लगभग 250 फीट लंबे, 5 फीट चौड़े और 15 फीट ऊंचे इस सस्पेंशन ब्रिज का निर्माण आईटीबीपी के जवानों तथा स्थानीय ग्रामीणों के संयुक्त श्रमदान एवं स्थानीय संसाधनों के उपयोग से किया गया है। बरसात के दौरान जाटलूर नाला उफान पर होने से आवागमन बाधित हो जाता था, जिससे ग्रामीणों और स्कूली विद्यार्थियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पुल के निर्माण से अब इस समस्या का स्थायी समाधान हो गया है। आवागमन अधिक सुरक्षित एवं निर्बाध हो सकेगा। लोकार्पण समारोह में कमांडेंट राजीव गुप्ता (45वीं वाहिनी), अभिषेक सूद (29वीं वाहिनी), द्वितीय कमान अशोक कुमार सिंह (38वीं वाहिनी), संजय कुमार (53वीं वाहिनी) सहित केंद्रीय सीमांत मुख्यालय एवं आईटीबीपी की विभिन्न वाहिनियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों व ग्रामीणों का साइकिल का वितरण

इस अवसर पर आईटीबीपी द्वारा संचालित सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत स्कूली विद्यार्थियों एवं जरुरतमंद ग्रामीणों को साइकिलों का वितरण किया गया। साथ ही स्वरोजगार, कौशल विकास तथा केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों के बीच मिठाइयों का वितरण किया गया तथा सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया। स्थानीय नागरिकों ने आईटीबीपी की इस जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह पुल न केवल क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं को मजबूत करेगा, बल्कि सुरक्षा बलों और स्थानीय समुदाय के बीच विश्वास एवं सहभागिता को भी नई मजबूती प्रदान करेगा।

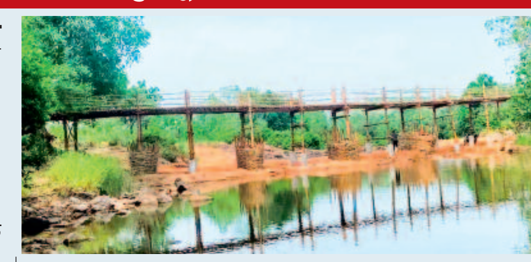

पुल का नाम होगा शहीद अमोल माधवराव महस्के : कार्यक्रम के दौरान पुल निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं जवानों को महानिरीक्षक अजय पाल सिंह ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने घोषणा की कि इस नव-निर्मित सस्पेंशन ब्रिज का नाम नक्सल विरोधी अभियान में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद अमोल माधव राव महस्के की स्मृति में रखा जाएगा।

खबर संक्षेप

महिला को बचाने के प्रयास में माजदा पलटी

फरसगांव। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रांधना आमोडीपारा स्थित मरघट मोड़ के पास शुक्रवार को मिर्ची के पौधों से भरी एक माजदा वाहन अनियंत्रित होकर तीन पलटी खाते हुए सड़क किनारे खेत में जा गिरी। बताया जा रहा है कि वाहन रायपुर से बड़ी मात्रा में मिर्ची के पौधे लेकर माकड़ी की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक सामने एक महिला आ गई, जिसे बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। हादसे के समय वाहन में तीन लोग सवार थे। सभी को हल्की चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए रांधना उपस्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में सहयोग किया। वाहन के पलटने से मिर्ची के पौधे खेत में बिखर गए और वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिलों को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी

केशकाल। क्षेत्र में लगाए जा रहे स्मार्ट बिजली मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बड़ी संख्या में लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल पहले की तुलना में काफी अधिक आ रहे हैं। इससे आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और लोगों में चिंता का माहौल है। कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि पहले जहां उनका बिजली बिल सामान्य आता था, वहीं स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिना बिजली खपत में विशेष वृद्धि हुए भी बिल में काफी बढ़ोतरी हो गई है। लोगों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के दौर में अधिक बिजली बिल भरना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग से स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली और बिलिंग प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मीटर पूरी तरह सही हैं तो विभाग को बिल की गणना और बिजली खपत का स्पष्ट विवरण उपलब्ध कराना चाहिए, ताकि किसी प्रकार का भ्रम न रहे। वहीं यदि किसी प्रकार की तकनीकी गड़बड़ी या बिलिंग में त्रुटि है तो उसका शीघ्र निराकरण किया जाए। क्षेत्र के नागरिकों ने प्रशासन और बिजली विभाग से उपभोक्ताओं की शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए बढ़े हुए बिजली बिलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है।

यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की पहल

शहर में अब तय स्टॉपेज पर ही रुकेंगी बसें, नियम उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

■ जिला परिवहन कार्यालय में बस संचालकों और ऑटो संघ के साथ बैठक

शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से जिला परिवहन कार्यालय में बस स्टॉपेज व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार आयोजित हुई। बैठक में सभी बस संचालकों एवं उनके प्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया कि बसों का ठहराव केवल निर्धारित बस स्टॉपेज पर ही किया जाए। शहर के भीतर अनाधिकृत स्थानों पर सवारी चढ़ाने–उतारने से बचें।

चार स्थान किए गए निर्धारित – बैठक में निर्णय लिया गया कि बसों का ठहराव केवल मर्दापाल चौक, बंधा गार्डन, गांधी चौक और रायपुर नाका के पास निर्धारित स्टॉपेज पर ही होगा। अन्य किसी स्थान पर बस रोककर सवारी चढ़ाने या उतारने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा कहीं बस रोकने या सवारी बैठाने पर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बस संचालक और आटो मालिकों को स्पष्ट किया कि निर्धारित व्यवस्था का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ये अधिकारी रहे उपस्थित – बैठक में जिला परिवहन अधिकारी रामकुमार ध्रुव, थाना कोतवाली प्रभारी सौरभ उपाध्याय, यातायात प्रभारी मुकेश जोशी, नगर पालिका के अशोक साहू, बस संचालक एवं ऑटो चालक संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यात्री सुविधा और सड़क सुरक्षा पर जोर

बैठक में यात्रियों की सुविधा, शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने तथा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन, पुलिस और नगर पालिका के बीच समन्वय बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। इसके तहत तेज वाहन चालन, कहीं भी वाहनों को रोककर सवारी बैठाने पर कार्रवाई, अनाधिकृत जगहों पर वाहनों की पार्किंग सहित अन्य पर कार्रवाई व जुर्माना की जानकारी दी गई।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ आत्मीय स्वागत

फरसगांव। आदर्श विद्यालय में शुक्रवार को संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव उत्साह एवं उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। अतिथियों द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक डी.के. मसीह, बी.के. चौहान एवं भास्कर सर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान शाला की प्राचार्य श्रीमती रचना डिंपल जैकब, उपप्राचार्य नरेंद्र सोनसर्वे, संकुल समन्वयक अवनेश दादौरिया सहित श्रीमती संगीता बघेल, सौरभ शार्दूल, श्रीमती शकुन राणा, श्रीमती बविता दास, श्रीमती सविता मिश्रा, श्रीमती कविता देवांगन, श्रीमती दीक्षा ध्रुव, नागेश्वर देवांगन, राहुल कोर्राम, श्रीमती तुलेश ध्रुव, खगेश साहू, लोकेश कुमार सेनपाल एवं भूषण नायक सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जीवन में सफलता की सबसे मजबूत नींव शिक्षा : अतिथियों ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं शिक्षा के महत्व पर प्रेरित करते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता की सबसे मजबूत नींव है। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विद्यालय से जोड़ना, शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रेरित करना रहा। पूरे आयोजन में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

मलखंभः देवगांव पोर्टा केबिन विद्यालय के 7 खिलाड़ी राज्य स्तर पर चयनित

नारायणपुर। पोर्टा केबिन आवासीय विद्यालय देवगांव ने खेल जगत में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के सात छात्र-छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय मलखंभ प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इस सफलता का श्रेय विद्यालय की अधीक्षक रंजीता नाग के कुशल नेतृत्व, मलखंभ प्रशिक्षक के समर्पित मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत को दिया जा रहा है।

■ अधीक्षक रंजीता के नेतृत्व और नियमित प्रशिक्षण का मिला परिणाम

विद्यालय में खेल गतिविधियों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। नियमित प्रशिक्षण, अनुशासित अभ्यास और खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर तक अपनी जगह बनाई।

इस उपलब्धि से विद्यालय में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया है कि ये खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर विद्यालय, क्षेत्र और नारायणपुर जिले का नाम रोशन करेंगे।

निरंतर अभ्यास सफलता की कुंजी: नाग : विद्यालय की अधीक्षक रंजीता नाग ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय में प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है, और उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

पदोन्नत वनकर्मचारियों के कंधे पर लगाए सितार, केशकाल वनमंडल में स्टार अलंकरण समारोह

केशकाल। छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ के तत्वावधान में केशकाल वनमंडल में नवनियुक्त और पदोन्नत कर्मचारियों के सम्मान में एक 'स्टार अलंकरण समारोह' का आयोजन किया गया। शुक्रवार को विशेष कार्यक्रम में उप वन क्षेत्रपाल डिप्टी रेंजर और वनरक्षक से वनपाल फॉरेस्टर के पद पर पदोन्नत हुए कर्मचारियों के कंधों पर अधिकारियों द्वारा स्टार लगाकर उन्हें सम्मानित किया गया।

समारोह में वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल पद पर पदोन्नत फूलबत्ती कोडोपी और परसराम मरकाम का सम्मान किया गया। वहीं वनरक्षक से वनपाल पद पर पदोन्नत सरिता मरकाम, किसन सिंह, बृजलाल नेताम, भूपेन्द्र कुमार नाग और बुधचंद मरकाम को भी स्टार अलंकरण प्रदान किया गया। वनमंडलाधिकारी केशकाल दिव्या गौतम एवं उप वनमंडलाधिकारी सुषमा जे. नेताम ने पदोन्नत कर्मचारियों को स्टार लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में वनमंडल के सभी वन परिक्षेत्र अधिकारी, वनमंडल कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी, लिपिक, वन कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

फरसगांव में एनडीआरएफ ने सिखाए आपदा से बचाव के गुर

फरसगांव। आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल एनडीआरएफ ने गुरुवार को जनपद पंचायत फरसगांव के सभाकक्ष में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कोंडागांव जिले में चल रहे जागरुकता अभियान के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण में जनपद पंचायत, नगर पंचायत एवं तहसील के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। एनडीआरएफ के निरीक्षक रमाकांत दास ने भूकंप, बाढ़, आग एवं आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और राहत-बचाव के प्रभावी तरीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान आधुनिक रेस्क्यू उपकरणों का लाइव प्रदर्शन कर आपातकालीन परिस्थितियों में उनके उपयोग की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में एसडीएम अश्वन कुमार पुसाम, नायब तहसीलदार सुश्री निधि नेताम, जनपद एवं नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी तथा नगर की स्वच्छता दीदियां उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में समन्वित, त्वरित और सुरक्षित कार्रवाई के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की क्षमता को मजबूत करना था।

■ अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

पेज 9 के शेष

फेरी वाहन से प्लास्टिक...

पकड़ा। स्वच्छता निरीक्षक अजय बानिक एवं शेखर भारती की मौजूदगी में वाहन से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई। नियमों के उल्लंघन पर संबंधित विक्रेता पर 10 हजार का जुर्माना लगाया गया तथा पूरी सामग्री निगम के कब्जे में ले ली गई।

प्रतिबंधित सामान न बेचने की अपील : नगर निगम ने शहरवासियों, व्यापारियों एवं प्रतिष्ठान संचालकों से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग और विक्रय पूरी तरह बंद करने की अपील की है। इसके स्थान पर कपड़े, जूट, कागज और अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने का आग्रह किया गया है। साथ ही नागरिकों से यह भी कहा गया है कि यदि कहीं प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का निर्माण, भंडारण, परिवहन या बिक्री होती दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल नगर निगम को दें।

तेज रफ्तार ट्रक की...

घुसा। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

घायलों का इलाज जारी : पुलिस द्वारा मृतक व घायलों के परिजनों को सूचना भेजी गई है जो मेडिकल कॉलेज डिमरापाल के लिए रवाना हो गए हैं। डिमरापाल अस्पताल में मौजूद एएसआई पन्नालाल कुंजाम ने बताया कि घायलों को भर्ती करा दिया गया है और उनका उपचार किया जा रहा है। वहीं मामले की रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

संभाग स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शिवबती को प्रथम स्थान, राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए क्वालीफाई

कोण्डागांव। कठिन परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए बालिकागृह कोण्डागांव की श्रवण दिव्यांग बालिका शिवबती ने संभाग स्तरीय शालेय तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। उनकी सफलता संघर्ष, आत्मविश्वास और मेहनत की प्रेरक मिसाल बन गई है।

शिवबती ने बचपन में बीमारी से अपनी मां और नक्सली हिंसा में पिता को खो दिया। इसके बाद उनके चाचा ने उन्हें बालिकागृह कोण्डागांव में प्रवेश दिलाया, जहां से उनके जीवन को नई दिशा मिली। बालिकागृह में सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेल प्रशिक्षण ने शिवबती की प्रतिभा को निखारने का अवसर दिया। उनकी तीरंदाजी में रुचि को देखते हुए आईटीबीपी के प्रशिक्षकों से विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर शिवबती का चयन खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बहतराई बिलासपुर में हुआ, जहां उन्होंने एक वर्ष तक पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी तकनीकी क्षमता को और मजबूत किया।

प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन व उचित संसाधन से सफलता

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल कोष निधि से आधुनिक तीरंदाजी उपकरण उपलब्ध कराए गए। उचित संसाधन, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और शिवबती की कड़ी मेहनत ने उन्हें संभाग स्तर पर प्रथम स्थान दिलाया। शिवबती की उपलब्धि यह संदेश देती है कि सही अवसर, मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प के बल पर कोई भी बच्चा कठिन परिस्थितियों को हराकर अपने सपनों को साकार कर सकता है। वह आज हजारों बच्चों, विशेषकर दिव्यांग बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

हाऊसिंग बोर्ड के 160 हितग्राहियों पर 5.44 करोड़ बकाया

जगदलपुर। बस्तर जिले में हाऊसिंग बोर्ड के 160 भवनों के हितग्राहियों पर लगभग 5 करोड़ 44 लाख 24 हजार 253 रूपए बकाया है। इससे वसूली के लिए हाऊसिंग बोर्ड बकायादार हितग्राहियों पर शिकंजा कसेगा। साथ ही आवास की बकाया के चलते आवंटन को रद्द करने की तैयारी कर रहा है। बकाया राशि की वसूली के लिए विभाग सख्त रुख अपना रहा है, बकाया न चुकाने वाले हितग्राहियों के घरों का आवंटन रद्द किया जा सकता है। साथ ही भुगतान न करने पर नाम सार्वजनिक करने की चेतावनी दी है। बताया जा रहा है कि बकायादार हितग्राहियों को कई बार बकाया के भुगतान के लिए नोटिस दिया गया पर हितग्राहियों ने नोटिस को अनदेखा किया गया है। साथ ही बोर्ड के कर्मचारी भी बकायादार हितग्राहियों के घर तक पहुंचे थे, फिर भी बकाया का भुगतान नहीं हो सका। इसलिए बोर्ड ने बकयादारों पर सख्ती करने की तैयारी कर दी है, जिसमें मकान को आबंटन निरस्त कर विक्रय किया जाएगा, जिससे बोर्ड को राजस्व मिल सके।

ईई को दिए निर्देश : गृह निर्माण मंडल जगदलपुर वृत्त के उपायुक्त जीपी प्रजापति ने बताया कि कार्यपालन अभियंता को निर्देश दिया कि हितग्राही स्ववित्तीय, एकमुश्त ऑफर, भाड़ाक्रय आधार पर केवल निर्मित भवनों के लिए आवंटित बकाया राशि भुगतान कराएं।

खबर संक्षेप

अरुणोदय किड्स ने पौधरोपण व ग्रीन डे मनाया

गीदम। अरुणोदय किड्स के 11वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में प्रभारी शिक्षिका रूपा पाणिग्राही ने स्कूल परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक संतोष महापात्र एवं नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय में ग्रीन डे थीम का भी आयोजन किया गया। इस दौरान सभी बच्चे हरे रंग की ड्रेस पहनकर विद्यालय पहुंचे, पूरे परिसर में हरियाली, उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। शिक्षकों ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। शिक्षिकाएं भारती देवांगन, ज्योति गायकवाड़ एवं दिव्या कश्यप उपस्थित रहीं।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग, कलेक्टर को ज्ञापन

घाटलोहंगा। न्यू जर्नलिस्ट छत्तीसगढ़ फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने जिले की शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। संगठन के लोगों ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ शिक्षकों की स्थिति, एकल शिक्षक के भरोसे संचालित विद्यालयों, शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट तथा विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दों पर तत्काल संज्ञान लेने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षा को समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला माना जाता है, लेकिन ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के अनेक शासकीय विद्यालय आज भी बुनियादी सुविधाओं और पर्याप्त शिक्षकों के अभाव से जूझ रहे हैं। कई विद्यालयों में वर्षों से एक ही शिक्षक पदस्थ हैं, जबकि अनेक स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक के भरोसे सभी कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। इससे बच्चों की पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संगठन ने यह भी उल्लेख किया कि कई स्थानों पर जर्जर स्कूल भवन, शिक्षकों की कमी, समय पर शैक्षणिक व्यवस्था का संचालन न होना तथा प्रशासनिक लापरवाही के कारण विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है।

10 दिनों से बंद स्ट्रीट लाइट हुई चालू

बस्तर। छत्तीसगढ़ शासन की मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण का एक सकारात्मक उदाहरण बस्तर नगर पंचायत क्षेत्र में देखने को मिला।

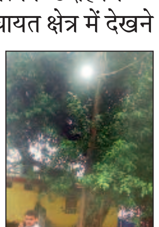

राजेंद्र नगर वार्ड क्रमांक 4, मुख्य मार्ग, सुलभ शौचालय के पीछे निवासी ऋषि तिवारी द्वारा क्षेत्र में पिछले लगभग 10 दिनों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज कराई गई थी। शिकायत प्राप्त होने के बाद नगर पंचायत बस्तर ने मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट का सुधार कार्य कराया। शिकायत दर्ज होने के लगभग 24 घंटे के भीतर ही वार्ड क्रमांक 4 के मुख्य मार्ग की स्ट्रीट लाइट पुनः चालू कर दी गई, जिससे क्षेत्रवासियों को राहत मिली। स्थानीय नागरिकों के अनुसार स्ट्रीट लाइट बंद रहने से रात के समय आवागमन में परेशानी हो रही थी तथा मुख्य मार्ग पर अंधेरा रहने से सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ गई थीं। स्ट्रीट लाइट शुरू होने के बाद क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था सामान्य हो गई है।

कलेक्टर की निगरानी से तेज हुए निर्माण कार्य

मैदानी मॉनिटरिंग बनी विकास की पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

सुदूर और संवेदनशील क्षेत्र जगरगुंडा में विकास कार्यों को नई गति देने के लिए कलेक्टर अमित कुमार लगातार मैदानी स्तर पर निगरानी कर रहे हैं। शुक्रवार को उनके दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता अब केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें तय समय में धरातल पर उतारना भी है।

कलेक्टर अमित कुमार ने जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर के साथ निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति

का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन निर्माण पूरा होते ही अस्पताल को तत्काल शुरू किया जाए, ताकि जगरगुंडा और आसपास के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर-दराज का रुख न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, जनरल वार्ड, प्रयोगशाला, आवश्यक मशीनों की स्थापना, एंबुलेंस के सुगम आवागमन के लिए रैंप और सड़क चौड़ीकरण जैसी व्यवस्थाओं को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही बिजली कनेक्शन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने और पर्याप्त चिकित्सकीय व पैरामेडिकल स्टाफ की पदस्थापना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कलेक्टर अमित कुमार ने निर्माणाधीन छात्रावास भवन और परिसर में बन रही सीसी सड़क का निरीक्षण करते हुए स्पष्ट कहा कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को समय-सीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण कर भवन संबंधित विभाग को सौंपने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को जल्द बेहतर सुविधाएं मिल सकें। दौरे के दौरान रेस्ट हाउस के मरम्मत कार्य का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने इसे आधुनिक और सुविधायुक्त स्वरूप देने के निर्देश देते हुए कहा कि जगरगुंडा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के ठहरने के लिए बेहतर व्यवस्था आवश्यक है।

शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं को मिलेगी गति

सुकमा में कलेक्टर अमित कुमार की कार्यशैली की खास पहचान लगातार फील्ड विजिट, निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा और समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर रही है। उनके नेतृत्व में प्रशासन सुदूर क्षेत्रों तक विकास की योजनाओं को तेजी से पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। जगरगुंडा का यह दौरा भी इसी सक्रिय प्रशासनिक सोच का उदाहरण माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

8-10 साल पहले के अनुबंध से चल रहे निजी विद्यालय

जिला शिक्षा अधिकारी बैठक लेकर व्यवस्था बेहतर करने की कह रहे बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

जिले के कुछ निजी विद्यालय आठ-दस वर्ष पहले समाप्त हो चुके एग्रीमेंट के आधार पर अभी भी संचालित हो रहे हैं। जिन भवनों में कक्षाएं लग रही हैं उनके स्वीकृत ब्लूप्रिंट, भवन संबंधी आवश्यक अभिलेख तथा अन्य अनिवार्य दस्तावेज विभागीय रिकॉर्ड में उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आ रही है।

विभागीय रिकॉर्ड में दर्ज भवन और वास्तविक संचालन स्थल में कथित अंतर बताया जा रहा है। यदि विभाग के

- नियमित जांच और कार्यवाही नहीं होने से भवन सुरक्षा बना खतरा

अभिलेखों में एक परिसर दर्ज है और विद्यालय किसी दूसरे भवन से संचालित हो रहा है। तो सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या विभाग को इसकी जानकारी है यदि जानकारी नहीं है, तो वर्षों से निरीक्षण किस आधार पर होते रहे। और यदि जानकारी थी, तो विभागीय रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन और नियमानुसार कार्रवाई क्यों नहीं की गई। मामले का गंभीर पहलू भवन सुरक्षा से जुड़ा है। जिन भवनों में वर्तमान में विद्यालय संचालित होने की बात सामने आई है, उनमें से कुछ की स्थिति जर्जर बताई जा रही है। यदि वास्तविक संचालन स्थल का विधिवत सत्यापन ही नहीं हुआ तो भवन की सुरक्षा, क्षमता और विद्यार्थियों के लिए उसकी उपयुक्तता का आकलन कैसे किया गया। यह भी जांच का विषय है।

शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल

यदि कोई विद्यालय विभाग की जानकारी के बिना किसी अन्य स्थान पर संचालित हो रहा है, या विभागीय रिकॉर्ड वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाता, तो निरीक्षण, सत्यापन और मान्यता प्रक्रिया की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठना लाजमी है। ऐसे मामलों में यह आवश्यक है कि केवल कागजी जांच तक सीमित न रहकर मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया जाए।

सुरक्षा मानकों की जांच जरूरी

जिले में संचालित निजी विद्यालयों के दस्तावेज, वास्तविक संचालन स्थल, स्वीकृत ब्लूप्रिंट, भूमि एवं भवन संबंधी अभिलेख, स्वामित्व अथवा किरायानामा और सुरक्षा मानकों की व्यापक जांच समय की आवश्यकता बन गई है। जहां दस्तावेज और वास्तविक संचालन स्थल में अंतर मिले, वहां नियमानुसार कार्रवाई कर पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाना चाहिए।

जल्द होगी निजी संचालकों की बैठक

इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी से कथित फर्जी दस्तावेजों और विद्यालय संचालन से जुड़े सवालों पर चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि बहुत जल्द जिले के निजी स्कूल संचालकों की बैठक बुलाई जाएगी। इसके बाद पूरे मामले की जानकारी साझा की जाएगी।

तेज बारिश भी नहीं रोक सकी जनसुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दोरनापाल

जिले के दूरस्थ ग्राम कोंडासावली में लगातार हो रही तेज बारिश भी प्रशासन की जनसुनवाई को नहीं रोक सकी। सुकमा कलेक्टर अमित कुमार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गांव पहुंचे और बारिश के बीच आम के पेड़ के नीचे छाता ओढ़कर ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई।

इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और मांगें कलेक्टर के सामने रखीं। कलेक्टर ने प्रत्येक शिकायत और सुझाव को गंभीरता से सुना तथा कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बारिश के बावजूद ग्रामीणों और प्रशासन के बीच खुले वातावरण में हुई यह जनसुनवाई चर्चा का विषय बनी रही। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाते हुए उप स्वास्थ्य केंद्र तक मरीजों को पहुंचाने में आने वाली परेशानियों से अवगत कराया। इस पर कलेक्टर अमित कुमार ने संबंधित अधिकारियों को उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को समय पर उपचार

मिल सके। इसके अलावा मुख्य सड़क से स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए कलेक्टर ने पेवर ब्लॉक रैंप के निर्माण के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं तक सुगम पहुंच उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इस कार्य को जल्द पूरा किया जाए। चौपाल के दौरान वनाधिकार पट्टों का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया। इस पर कलेक्टर ने जानकारी दी कि वनाधिकार पट्टों के लिए सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है तथा अगले करीब डेढ़ माह के भीतर पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पट्टों का वितरण कर दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया में तेजी लाने और पात्र परिवारों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की अपील करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए अधिकारी नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करें। तेज बारिश के बीच आम के पेड़ के नीचे लगी यह चौपाल प्रशासन और ग्रामीणों के बीच बेहतर संवाद का प्रतीक बनी। प्राकृतिक परिस्थितियों के बावजूद जनसुनवाई जारी रखने की इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना की और उम्मीद जताई कि दिए गए निर्देशों पर शीघ्र अमल होगा, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाओं और वनाधिकार से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान हो सकेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष की जनचौपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने जनप्रतिनिधियों के साथ जिले के सुदूर वनांचल स्थित ग्राम पंचायत हिरोली, कड़मपाल एवं मदाडी का व्यापक दौरा कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने गांव-गांव पहुंचकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया, ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों में मौके पर ही समाधान सुनिश्चित कर प्रशासनिक संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही का उदाहरण प्रस्तुत किया। दौरे के दौरा मुड़ामी ने स्पष्ट कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य अंतिम छोर पर खड़े पात्र हितग्राही तक बिना किसी बाधा के लाभ पहुंचाना है। ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कई दिव्यांगजनों ने बताया कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण वे विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर निर्देश किया गया। स्वास्थ्य विभाग और समाज कल्याण विभाग की टीम ने बिना विलंब दिव्यांगजनों को जिला अस्पताल पहुंचकर उनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी, जिससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ। एक दिव्यांग बालक विनय कुमार की शिक्षा का विषय सामने आने पर तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए उसका प्रवेश सक्षम विद्यालय, जावंगा में सुनिश्चित कराने को कहा शिक्षा विभाग ने तत्काल दिव्यांग बालक सक्षम विद्यालय जावंगा के दाखिला करवाया।

कांग्रेस आस्था को ठेस पहुंचाने का कर रही प्रयास

दंतेवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं मीडिया पैनलिस्ट रामू नेताम ने अयोध्या राम मंदिर में कथित चंदा चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता और उठाई गई मांगों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को राम मंदिर के

विषय में सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि उसका इतिहास सनातन और भगवान श्रीराम के विरोध से जुड़ा रहा है। रामू नेताम ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान हर संभव प्रयास किया कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण न हो। इसके लिए कांग्रेस से जुड़े वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित अनेक वकील न्यायालय में राम मंदिर निर्माण के विरोध में खड़े रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वर्षों तक श्रीराम जन्मभूमि मामले को उलझाए रखा और अब वही कांग्रेस राम मंदिर में चंदे की चिंता जताने का दिखावा कर रही है।

साइबर अपराधियों की खैर नहीं

कोंटा पुलिस ने तेज की मुहिम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से सुकमा पुलिस लगातार जनजागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को थाना कोंटा पुलिस ने ग्राम फंदीगुड़ा में व्यापक साइबर जागरूकता चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी से बचने के व्यावहारिक उपाय बताए।

पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंटा मनोज तिर्की के

- गांव-गांव पहुंच रही जागरूकता की चौपाल सोशल मीडिया पर सतर्क रहने की सलाह

मार्गदर्शन में एसडीओपी डॉ. प्रशांत देवांगन और कोंटा पुलिस की टीम ने फंदीगुड़ा, इंजरम एवं आसपास के गांवों के ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, सचिवों और युवाओं को साइबर अपराधों के नए-नए तरीकों से सतर्क रहने की जानकारी दी। चौपाल में पुलिस अधिकारियों ने फेक लिंक, एपीके फ्रॉड, ऑनलाइन लोन स्कैम, इन्वेस्टमेंट एवं ट्रेडिंग स्कैम, सेक्सटॉर्शन, डिजिटल अरेस्ट और मनी

म्यूलिंग जैसे साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही लोगों को किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, ओटीपी एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने तथा सोशल मीडिया पर सतर्क रहने की सलाह दी गई।

संचार साथी की दी गई जानकारी

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की पूरी प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन भी किया गया। महिलाओं एवं बच्चों से जुड़े सोशल मीडिया आधारित अपराधों की शिकायत प्लेटफॉर्म पर दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई। इसके अलावा संचार साथी पोर्टल के माध्यम से चोरी या गुम हुए मोबाइल को ब्लॉक कराने, शिकायत दर्ज करने तथा अपने नाम पर जारी मोबाइल सिम की जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया भी ग्रामीणों को समझाई गई।

ठगी की तुरंत करे शिकायत

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठगी होने पर जितनी जल्दी शिकायत दर्ज की जाती है, ठगी गई राशि वापस मिलने की संभावना उतनी अधिक रहती है। इसलिए किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत 1930 पर कॉल करने और ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई।

सुरक्षित दिशा में अच्छा कदम

सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचकर लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने की कोंटा पुलिस की यह पहल न केवल अपराधों की रोकथाम में सहायक साबित होगी, बल्कि डिजिटल युग में आम नागरिकों को सुरक्षित रखने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। ग्रामीणों ने भी पुलिस की इस जागरूकता चौपाल की सराहना करते हुए ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की।

हनीफ दूसरी बार अध्यक्ष व नवीन तीसरी बार सचिव बने

बिजनेस साइट

जगदलपुर। एसोसिएशन ऑफ बस्तर प्राइवेट स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन की महत्वपूर्ण बैठक नवनिर्मित संस्कार स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, धरमपुरा में आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न

- एसोसिएशन ऑफ बस्तर प्राइवेट स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन की नई कार्यकारिणी गठन

निजी विद्यालयों के संचालकों एवं प्राचार्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा शिक्षा के क्षेत्र में समन्वय, सहयोग एवं निजी विद्यालयों के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में

सर्वसम्मति से आगामी दो वर्षीय कार्यकाल 2026–28 के लिए एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नवगठित कार्यकारिणी में हनीफ बारवाटिया, हैम एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल को दूसरी बार अध्यक्ष एवं नवीन भावसार, संस्कार ग्रुप ऑफ स्कूल्स को लगातार तीसरी बार सचिव, फादर एंटनी के. वी., प्राचार्य, विद्या ज्योति स्कूल को उपाध्यक्ष, विनीत शर्मा, माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल को कोषाध्यक्ष तथा सिस्टर ऐन मैरी, प्राचार्य, ज्ञानोदय स्कूल, करनपुर को संयुक्त सचिव निर्वाचित किया गया।

बैठक में वरिष्ठ शिक्षाविद् रतनलाल जैन,संस्कार द गुरुकुल को उनके दीर्घ अनुभव एवं शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए सर्वसम्मति से एसोसिएशन का मेंटर नियुक्त किया गया। साथ ही, फादर संतोष वर्गीस, प्राचार्य, निर्मल हायर सेकेंडरी स्कूल, जगदलपुर का नाम सर्वसम्मति से सिटी सीबीएसई कॉर्डिनेटर के पद हेतु प्रस्तावित किया गया।

प्रशिक्षण से छात्राओं में बढ़ेगा आत्मविश्वास और सुरक्षा का बोध

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी बिस्मिता पाटले के मार्गदर्शन में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के चयनित विद्यालयों में 1 से 5 जुला तक आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत कस्तुरबा गांधी आवासीय परिसर जीएडी कॉलोनी बीजापुर एवं कन्या शिक्षा परिसर एजुकेशन सीटी बीजापुर में मास्टर ट्रेनर द्वारा किशोरी बालिकाओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान छात्राओं को विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के उपाय, आत्मविश्वास के साथ संकट का सामना करने के तरीके तथा आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने के गुर सिखाए गये।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, गुणवत्ता और समयसीमा का करें पालन : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

कलेक्टर विश्वदीप ने जिले में संचालित विभिन्न निर्माण एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों और निर्माण एजेंसियों को कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित संयुक्त समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, जल संसाधन विभाग, सीजीएमएससी, हाउसिंग बोर्ड सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के कार्यपालन अभियंता, एसडीओ एवं ठेकेदार उपस्थित रहे। बैठक में सड़क, पुल-पुलिया, शासकीय भवन, कर्मचारी आवास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय, आंगनबाड़ी भवन, शौचालय, सिंचाई तालाब, तालाब जीर्णोद्धार, नहर, नाली, व्यपवर्तन डायवर्सन, एनीकट सहित विभिन्न अधोसंरचना निर्माण कार्यों की वास्तविक प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर विश्वदीप ने प्रत्येक निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति, कार्य प्रारंभ एवं पूर्ण होने की समय-सीमा, लंबित कार्यों के कारण तथा बाधाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्धारित अवधि के बाद भी पूर्ण नहीं हुए कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों से स्पष्ट कारण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

न्यायालय तहसीलदार भानपुरी, जिला बस्तर (छ.ग.)
क्रमांक/क/तह./ जन्म-मृत्यु/2026
भानपुरी दिनांकः 22/06/2026

//उद्घोषणा//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पतिराम सूर्यवंशी पिता कुलधर सूर्यवंशी जाति कलार निवासी ग्राम तारागांव तहसील भानपुरी के द्वारा अपने दादी कवल सूर्यवंशी पति छेण्डया की मृत्यु दिनांक 25/09/2019 को होना बताते हुए मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से नियत तिथि 20/07/2026 तक आपत्ति पेश कर सकते है। म्याद पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीक मुद्रा सहित जारी किया।

मुहर

तहसीलदार
भानपुरी

खबर संक्षेप

महापौर ने किया गोंचा गुड़ी का उद्घाटन

जगदलपुर। रिमझिम बारिश के बीच गोंचा गुड़ी का उद्घाटन महापौर संजय पांडे ने किया। इस अवसर पर 360 आरण्य ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय, पूर्व सांसद और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप, रामाश्रय सिंग, योगेंद्र पांडे, यशवर्धन राव, रजनीश पाणिग्रही सहित आरण्य ब्राह्मण समाज सदस्य समेत अन्य उपस्थित थे।

दंतेश्वरी कृषि केंद्र के खिलाफ कलेक्टर से शिकायत

जगदलपुर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने धरमपुरा क्षेत्र के पीड़ति किसानों के साथ कलेक्टर से मुलाकात कर मां दंतेश्वरी कृषि केंद्र के विरुद्ध शिकायत की। पीड़ति किसानों ने बताया कि उन्होंने मां दंतेश्वरी कृषि केंद्र से कृषि सामग्री एवं खाद खरीदी थी। समस्या को लेकर शिकायत करने पर कृषि केंद्र के संचालक एवं संबंधित लोग डराने-धमकाने तथा शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। यूनियन ने इसे किसानों के अधिकारों का हनन बताते हुए कलेक्टर से पूरे मामले की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि पीड़ति किसानों को न्याय नहीं मिला और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो किसानों के हित में आंदोलन करने बाध्य होगा। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष शिवा स्वर्णकार, जिला अध्यक्ष रमेश गोयल, ग्रामीण जिला अध्यक्ष जगतू राम कश्यप, जिला उपाध्यक्ष बलिराम पुजारी, मानसिंह नेम, मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह, संभागीय प्रभारी सोनूराम कश्यप, लक्ष्मण, मीडिया प्रभारी डमरू कुंजाम, पूरन सिंह कश्यप सहित अन्य उपस्थित रहे।

लौह अयस्क की तस्करी की हो निष्पक्ष जांच

जगदलपुर। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर संभाग अध्यक्ष नवनीत चांद, संभागीय महामंत्री रामनाथ नेगी तथा दंतेवाड़ा जिला अध्यक्ष रेमन मरकामी ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि अवैध लौह अयस्क की तस्करी में वन विभाग ने ट्रक जब्त किया है। पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कई महीनों से ज्ञापन और प्रेस वार्ता में कठोर कार्रवाई की मांग लगातार कर रहे है। किंतु आज तक विशेष जांच दल का गठन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभाव कम होने के बाद यदि खनिज तस्करी और प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन के मामलों में वृद्धि हो रही है, तो सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि रोकथाम के लिए अब तक कौन-सी प्रभावी संस्थागत व्यवस्था की गई है। बस्तर की प्राकृतिक संपदा जनता की धरोहर है और इसकी सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

योग की पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ा जाएगा

प्रथम प्रवास पर पहुंचे योग आयोग अध्यक्ष की पत्रवार्ता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

बस्तर आने वाले समय में योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा का बड़ा केंद्र बन सकता है। प्रदेश में योग शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है, कॉलेज और विश्वविद्यालयों से योग की पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की योजना तैयार की जा रही है। इसके लिए 23 जुलाई को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक बुलाई गई है, जिसमें योग विषय के विद्यार्थियों के लिए रोजगार का रोडमैप तैयार किया जाएगा। उक्त बातें शुक्रवार को निजी होटल में आयोजित पत्रवार्ता में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा कि बस्तर की प्राकृतिक परिस्थितियां योग और आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अनुकूल हैं। इसी कारण यहां वेलनेस सेंटर स्थापित करने की योजना पर काम चल रहा है। इन केंद्रों में स्थानीय युवाओं को योग प्रशिक्षक, पंचकर्म सहायक और थेरेपिस्ट के रूप में प्रशिक्षित कर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही प्रदेश के स्कूलों में योग को पाठ्यक्रम से जोड़ने की तैयारी भी अंतिम चरण में है। श्री अग्रवाल ने बताया कि नया रायपुर में लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक योग भवन एवं थेरेपी सेंटर का निर्माण भी शुरू हो चुका है। पत्रवार्ता में चेंबर के अध्यक्ष श्याम सोमानी, पतंजलि योग समिति के प्रदेश प्रभारी डॉ. मनोज पाणिग्राही, जिला आयुष अधिकारी डॉ. मोहिनिश साहू आदि शामिल रहे।

बस्तर में आयुर्वेदिक एम्स की उम्मीद मजबूत

पत्रवार्ता में ही सांसद महेश कश्यप ने कहा कि बस्तर में 400 से 500 करोड़ रुपए की लागत वाले आयुर्वेदिक एम्स की स्थापना के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, आयुष मंत्री और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से कई दौर की चर्चा हो चुकी है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि छत्तीसगढ़ को आयुर्वेदिक एम्स की स्वीकृति मिलती है तो बस्तर इसकी सबसे मजबूत दावेदारी रखता है।

जिला पंचायत सीईओ ने नेतानार और कामानार के सेवाडेरा का किया भ्रमण

महिला समूहों से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

- ढेकी चावल और इमली चपाती निर्माण का लिया जायजा

जिला पंचायत बस्तर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना ने बुधवार की शाम ग्राम पंचायत नेतानार एवं कामानार के सेवाडेरा का भ्रमण कर ग्रामीण आजीविका, महिला सशक्तिकरण और स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की तथा रोजगार और आयवृद्धि के नए अवसर विकसित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत नेतानार के सीआरपीएफ कैम्प में संचालित सेवा डेरा में सीईओ ने सिलाई मशीन प्रशिक्षण, ढेकी से चावल निर्माण एवं इमली चपाती निर्माण जैसी गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान महिला समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए सीईओ ने कहा कि महिलाओं के प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में प्रेरणादायक हैं और इन गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं के लिए उत्पादन (प्रोडक्शन) यूनिट स्थापित करने की पहल करने के निर्देश दिए, ताकि प्रशिक्षित महिलाओं को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और नियमित आय के बेहतर अवसर मिल सकें। साथ ही समूह आधारित उत्पादन, गुणवत्ता सुधार और उत्पादों के विपणन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

ग्राम पंचायत कामानार में स्थित कैंप परिसर के सेवा डेरा का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने ग्रामीणों एवं स्व-सहायता समूह की दीदियों से सेवा डेरा की स्थापना को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा इसकी कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सेवा डेरा के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने इमली प्रसंस्करण इकाई एवं महुआ लड्डू प्रसंस्करण इकाई स्थापित किए जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने बताया कि इन इकाइयों की स्थापना से स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस पर खन्ना ने प्रस्तावों पर सकारात्मक सहमति व्यक्त करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद

भ्रमण के दौरान अति. सीईओ बीरेंद्र बहादुर सहित पंचायत प्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

वोल्टेज कम होने से बैंक में पंखे-कूलर से नहीं आ रही हवा

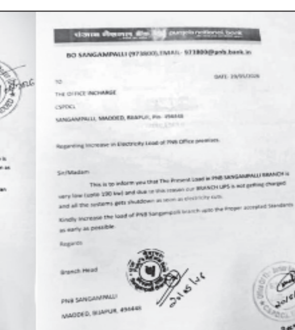

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मद्देड़

- दो बार शिकायत के बाद भी बिजली विभाग नहीं कर रहा कार्रवाई

पंजाब नेशनल बैंक में बिजली का वोल्टेज कम होने से सिस्टम ठीक से काम नहीं कर पा रहा हैं। पंखे-कूलर से हवा ठीक से नहीं आ रहा हैं।

दो बार आवेदन देने बिजली विभाग को दिया गया है। बैंक प्रबंधन बिजली वोल्टेज की समस्या को दूर करने के लिए विभाग के चक्कर काट रहा हैं। बैंक ने 20 मई को बिजली विभाग को लिखित आवेदन देकर वोल्टेज बढ़ाने की गुहार लगाई थी। दूसरा आवेदन एक महीना बीत जाने के बाद भी जब विभाग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई तो बैंक प्रबंधन ने 23 जून को रिमाइंडर आवेदन दिया। दो बार लिखित शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद भी बिजली विभाग चुप बैठा है।

क्षेत्र में उमस और तापमान बढ़ रहा है, ऐसे में बैंक में कम वोल्टेज के कारण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और एसी-कूलर शो-पीस बनकर रह गए हैं। बैंक में लेन-देन और अपने जरूरी कामों के लिए आने वाले ग्रामीण व दूर-दराज के हितग्राही इस उमस भरी गर्मी में पसीने से तर-बतर हो रहे हैं। बैंक का सर्वर और सिस्टम प्रभावित होने से बैंकिंग कामकाज में भी रुकावट आ रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं और दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

- परिवर्तन समाज विकास समिति की बैठक में सभी बिंदुओं पर हुई व्यापक चर्चा

परिवर्तन समाज विकास समिति के मुख्य कार्यालय में समीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संस्था की कार्यप्रणाली, कर्मचारियों के कार्य निष्पादन, विभिन्न परियोजनाओं के संचालन, ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे जमीनी स्तर के कार्यों, मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा दवाइयों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान गतिविधियां सुव्यवस्थित एवं संतोषजनक पाई गईं। निरीक्षण दल ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की तथा इसे समाजहित में एक प्रभावी पहल बताया।

इस अवसर पर भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश कुमार उइके, महामंत्री अजय कुमार चौबे, सचिव सूर्य नारायण तथा भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, छत्तीसगढ़ स्टेट बोर्ड के जितेंद्र नरसिंह राणा की उपस्थिति रही।

अतिथियों ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए टीम का उत्साहवर्धन किया तथा भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर जिला समन्वयक सूरज पटनायक, डॉ. नूर आलम, डॉ. शामिल नाग, फार्मासिस्ट रविन्द्र पोयाम, लैब टेक्नीशियन पल्लवी पांडे, स्टाफ नर्स सनबारी बघेल तथा पायलट अशोक बघेल उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का स्वागत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा के बस्तर प्रवास पर शुक्रवार को शहर आगमन पर सर्किट हाऊस में पुलिस महानिरीक्षक बीएन मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा एवं सीईओ जिला पंचायत तन्मय खन्ना, जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीशगण सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

परिवहन विभाग खंगाल रहा 12 वर्ष पुराने स्कूल बस, करेंगे पंजीयन निरस्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

परिवहन नियमों और सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट की गाइडलाइंस का पालन करते हुए, 12 वर्ष से अधिक पुरानी स्कूल बसों का संचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित है। ऐसे में स्कूल बसें 12 वर्ष पुरानी हो चुकी हैं और सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करती हैं, परिवहन विभाग उनका पंजीयन और परमिट निरस्त करने की तैयारी कर रहा है। हालांकि कोई भी स्कूल बस 12 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए, समय सीमा पूरी होने पर फिटनेस और परमिट स्वतः निरस्त हो जाते हैं। विभाग जिले के स्कूलों में चल रही पुराने स्कूल बसों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। ऐसे कई खटारा और अनफिट वाहन सड़कों पर स्कूल बच्चों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। परिवहन विभाग द्वारा जारी अभियान में पालक भी जान सकें की उनके बच्चे किस स्तर की बसों में आवाजाही कर रहे हैं, इसकी जानकारी दी जाएगी। इन स्कूलों की सूची जिला शिक्षा अधिकारी को भी भेजी जाएगी। साथ ही उनसे निवेदन किया जाएगा कि ऐसे स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन

संयुक्त कलेक्टर एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे ने बताया कि बारह वर्ष से पुरानी हो चुकी बसों का परमिट रद्द करने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन थी, जिसे हाईकोर्ट के निर्देश पर परिवहन विभाग ने नियम में शामिल कर लिया है। इसी नियम का पालन करवाने अभियान शुरू किया गया है। ऐसे स्कूल बसों का परमिट निरस्त माना जाएगा।

13 मंडल के पदाधिकारियों को बताए गए संगठन के कार्य

बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

भाजयुमो जिला बस्तर के 13 मंडल के पदाधिकारियों का स्वागत, परिचय एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम भाजपा कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में संगठन की कार्यपद्धति, पदाधिकारियों के दायित्व तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई। इसके पश्चात सभी पदाधिकारी मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे और दर्शन-पूजन कर संगठन की मजबूती, राष्ट्र की उन्नति एवं जनकल्याण की कामना की। भाजपा कार्यालय से दंतेश्वरी मंदिर तक बाइक रैली के रूप में सभी पहुंचे।

कार्यक्रम में महापौर संजय पांडे, जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, पूर्वी मंडल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव तथा पश्चिम मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि युवा कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति हैं। सेवा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करते हुए संगठन की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी को बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, युवाओं को जोड़ने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन विस्तार के लिए कार्य करने का आह्वान किया। मार्गदर्शन कार्यक्रम के बाद भाजपा कार्यालय से माँ दंतेश्वरी मंदिर तक पदाधिकारियों की रैली निकाली गई। रैली चांदनी चौक, शहीद पार्क चौक, झंकार टॉकीज रोड, कोतवाली चौक, मेन रोड, गोलबाजार चौक एवं मिताली चौक से होते हुए मंदिर पहुँची। मंदिर में सभी पदाधिकारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माँ दंतेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

पूर्व विधायक ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर जांच की मांग की

विश्वविद्यालय में प्रोफेसरों के पद पर भर्ती में भारी गड़बड़ी : बाफना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

- कुलपति पर स्थानीय उम्मीदवारों से पक्षपात और अन्य प्रांत के लोगों की भर्ती करने का लगा आरोप

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर की जा रही भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर विवादों के घेरे में है। पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता संतोष बाफना ने विश्वविद्यालय के कुलपति पर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों से आर्थिक लेन-देन करने के संगीन आरोप लगाए हैं। इस संबंध में उन्होंने राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा को पत्र लिखकर पूरी भर्ती प्रक्रिया की उच्च स्तरीय जांच कराने और वर्तमान चयन सूची पर रोक लगाने की मांग की है।

श्री बाफना ने बताया है कि कुलपति मनोज श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से पूरी भर्ती प्रक्रिया में गोपनीयता बरत रहे है। स्थानीय स्तर पर और पीड़ति अभ्यर्थियों से पुख्ता शिकायतें मिली हैं कि इस चयन के पीछे बड़ा आर्थिक लेन-देन हुआ है। बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों से कथित तौर पर 20-20 लाख रुपये लेकर उनका चयन सुनिश्चित किया गया है। यह बस्तर और छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान व योग्य स्थानीय युवाओं के अधिकारों पर सीधा डाका है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया है कि कुलपति के कार्यकाल में हुई पिछली भर्तियों में भी इसी तरह दूसरे राज्यों के लोगों को अनुचित लाभ देने और लेन-देन के विवाद सामने आ चुके हैं।

बाफना ने कहा है कि स्थापित शैक्षणिक और प्रशासनिक परंपराओं को ताक पर रखकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची में से आवेदकों के नाम ही गायब कर दिए हैं और केवल एप्लिकेशन आईडी जारी की है। बिना नाम और बिना शैक्षणिक अंकों के सूची जारी होने से दावा-आपत्ति की पूरी प्रक्रिया महज एक औपचारिकता बनकर रह गई है। किसी भी आवेदक को यह जानने का हक ही नहीं मिल रहा है कि उसे किस आधार पर पात्र या अपात्र किया गया है। इसके अलावा योग्य उम्मीदवारों को बिना कारण बताए नॉट फाउंड सूटेबल घोषित करने, रोस्टर में खुलेआम हेरफेर करने और दिव्यांग अभ्यर्थियों की उपेक्षा करने जैसी गंभीर अनियमितताएं भी की गई हैं।

राज्यपाल से कड़ी कार्रवाई की मांग

पूर्व विधायक ने राज्यपाल व शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रमेन डेका से इस संवेदनशील मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग करते हुए प्रमुख बिंदु रखे हैं। जिसमें बस्तर विश्वविद्यालय की इस पूरी विवादित भर्ती प्रक्रिया की तत्काल एक स्वतंत्र, समयबद्ध और उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए (विशेष रूप से कथित आर्थिक लेन-देन के आरोपों की जांच हो)। वर्तमान अपारदर्शी प्रक्रिया पर रोक लगाकर सभी आवेदकों के नाम, उनके शैक्षणिक स्कोर और मूल्यांकन के स्पष्ट आधार के साथ वास्तविक व सही संशोधित सूची पुनः सार्वजनिक की जाए।

दोषियों पर सख्त कार्यवाही हो

बस्तर जैसे संवेदनशील और पिछड़े क्षेत्र के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों पर सख्त वैधानिक और दंडात्मक कार्यवाही की जाए। संतोष बाफना का साफ तौर पर कहना है कि लाखों रुपये के इस कथित भ्रष्टाचार और अपारदर्शिता से बस्तर के युवाओं का मनोबल टूट रहा है और यह न केवल बस्तर के योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है बल्कि उच्च शिक्षा के स्तर और बस्तर जैसे संवेदनशील क्षेत्र के विकास पर भी बुरा असर डालता है।